an>

Title: Regarding alleged irregularities in the elections of MLC, MPs and MLAs in the country.

श्री आर.के.सिंह (आरा) : आदरणीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे सदन में एक महत्वपूर्ण विषय को उठाने का मौका दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं एक बहुत ही गंभीर विषय उठाना चाहता हूं, जो हम सबको कन्सर्न करता है। मेरी बात से सब सहमत होंगे कि मनी पावर और क्रिमिनलाइजेशन के कारण लोकतांत्रिक व्यवस्था अब चरमरा गयी है।

अध्यक्ष महोदया, बिहार में अभी हाल ही में पंचायत चुनाव हुए। एक-एक मुखिया ने चुनाव में 15 लाख रुपये से लेकर 20 लाख रुपये खर्च किये। वहां वोट खरीदने के लिए मतदाताओं को पैसा दिया गया। इससे पहले जब एमएलसी के चुनाव हुए, तब भी हमने देखा कि मतदाताओं से वोट खरीदे गये।

अध्यक्ष महोदया, इसी तरह से हर चुनाव में मनी पावर व्याप्त है। क्रिमिनलाइजेशन की हालत यह है कि प्रायः सभी सदन में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोग नजर आ जाते हैं। इसका कारण यह है कि हमारी न्यायिक व्यवस्था चरमरा गयी है। लोगों पर 15-20 आपराधिक केसेज रहते हैं, लेकिन वे स्वछन्द घूमते रहते हैं। कालान्तर में एमपी-एमएलए बन जाते हैं और वह दिन दूर नहीं है, जब वे मत्री भी बन जाएंगे।

माननीय अध्यक्ष : चुनाव सुधार की बात है।

श्री आर.के.सिंह: अध्यक्ष महोदया, क्रिमिनलाइजेशन और मनी-पावर के कारण लोकतंत्र में लोगों की आस्था समाप्त हो रही है। नेताओं पर से लोगों का विश्वास उठ गया है। यह बात हम सभी को समझना चाहिए और हम लोग इसमें सुधार नहीं करेंगे तो यह व्यवस्था ज्यादा दिन नहीं चल सकती है।

मेरा सभी दलों से अनुरोध है कि सभी पार्टीज मिलकर बैठें और इस पर विचार करें। राजनीति से मनी-पावर, करप्शन और क्रिमिनलाइजेशन को दूर करने पर विचार करें।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री अनूप मिश्रा,

श्री आलोक संजर,

श्री रोड़मल नागर,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री शरद त्रिपाठी,

डॉ. मनोज राजोरिया,

श्री बलभद्र माझी, एवं

श्री रवीन्द्र कुमार जेना को श्री आर.के.सिंह द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्रीमती रीती पाठक, आपने कोई विषय दिया है?

श्रीमती रीती पाठक (सीधी) : जी, नहीं।

माननीय अध्यक्ष : क्या आपको मालूम नहीं है? चलो, छोड़ो, बहुत अच्छा है।

कौन डालता है आपका जीरो ऑवर का नोटिस?

डॉ. जे. जयवर्धन।